22nd RAISING DAY

Directorate of Forensic Science Services

Ministry of Home Affairs, Government of India

High quality, on time and credible forensic services to justice delivery system.

The Directorate of Forensic Science services (DFSS) was created by MHA on December 31, 2002. DFSS has seven Central Forensic Science Laboratories under its administrative control located at Chandigarh, Hyderabad, Kolkata, Bhopal, Pune, Guwahati, Delhi which are continuously catering to the various forensic needs of the investigating agencies and providing adequate scientific support to the criminal justice delivery system.

DFSS at a Glance

Charter Of Duties:

- To encourage Research & Development and to develop new technologies.
- To establish linkage with national & international scientific institutions.
- To Promote Quality Control & Quality Assurance & to formulate plan & policies
- To Develop national Database & to assist and advise Central and state Govt. in Forensic matters.

Services rendered by CFSLs :

- Audio/Video Authentication & Speaker Identification,
- Ballistics, Physics,
- Chemistry, Explosives, Narcotics, Toxicology,
- Biology & DNA Profiling,
- Digital/ Cyber Forensics
- Psychology,
- Questioned Documents.

Advance Technology Acquired:

- Bullet Proof Material Testing,
- Skull Superimposition,,
- Damaged Media & CCTV Analysis,,
- Sophisticated Equipment procured & Installed in all CFSLs

International Cooperation:

- Prepared & implemented perspective plans for Seychelles, Vietnam & Maldives,
- Member of expert group of SCO,
- Handled cases of Nepal, Bhutan & Maldives.

Achievements

- ☑ Establishment of four new CFSL complexes at Pune, Bhopal, Guwahati & Kolkata.
- ☑ Establishment of state-of-the-art DNA laboratory at CFSL Chandigarh
- ☑ Establishment of National Cyber Forensic Lab (E) at Hyderabad.
- ☑ Implementation of the Interoperable Criminal Justice System (ICJS) for e-forensics.
- ☑ INDIGENEOUS TOOLS & TECHNOLOGY DEVELOPED:
  - Automatic Language and Text Independent Speaker Identification(LISIS, SPID).
  - Patent awarded on damaged Media Analysis Technique,
  - Patent awarded on Rotating Paper Disk(RPD) technique for chemical analysis.
  - Sexual Assault Evidence Collection Kit (SAECK
- ☑ Awarded 11 extra mural research projects to IITs and S&T institutions to develop indigenous technologies in emerging area of forensic science.
- ☑ Established Forensic Psychology, Speaker identification, Narcotics, DNA & Digital Forensic analysis facilities in all CFSLs.
- ☑ Scientists of CFSLs successfully participated in international Proficiency Testing (PT) program.
- ☑ Prepared & circulated Standard operating Procedures(SOPs), Quality manual, Scene of Crime manual & Standard list of equipment to all the stakeholders.
- ☑ DFSS took various initiatives such as transfer of Technology, training the Scientists & allocation of funds under NIRBHAYA & SMFC Schemes to strengthen & modernize SFSLs.

Future Plans

- To establish National Forensic Data Centre in various Forensic Indices,
- To establish six new National Cyber Forensic laboratories
- To establish eight new state-of- art CFSLs to meet the future requirements (in preview of new criminal laws)
- To revolutionize forensic investigations by establishing cutting-edge divisions such as:
  - Drone Forensics,
  - Wildlife forensics,
  - Forensic Engineering,
  - Forensic Intelligence.
- To establish a Comprehensive Proficiency Testing Program to assess the Technical Expertise & Analytical Abilities of CFSLs/SFSLs.
- Expansion & strengthening of DFSS Headquarters.
- Launch of an Innovative e-Learning Program to enhance the Knowledge and Skills of Forensic Scientists,

Block No. 9, 8th Floor, CGO Complex, Lodhi road, New Delhi - 110003,Tel No. 24365835, Fax No. 24362819,
Learn more about DFSS at www.dfs.nic.in

22वां स्थापना दिवस

फोरेंसिक साइंस सर्विसेज निदेशालय,

गृह मंत्रालय, भारत सरकार

न्याय प्रणाली को उच्च गुणवत्ता, समय पर और विश्वसनीय फोरेंसिक सेवाएं।

फोरेंसिक साइंस सर्विसेज निदेशालय (DFSS) की स्थापना गृह मंत्रालय द्वारा 31 दिसंबर, 2002 को की गई थी। DFSS के प्रशासनिक नियंत्रण में सात केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाएं हैं जो चंडीगढ़, हैदराबाद, कोलकाता, भोपाल, पुणे, गुवाहाटी, दिल्ली में स्थित हैं और लगातार जांच एजेंसियों की विभिन्न फोरेंसिक आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं और आपराधिक न्याय प्रणाली को पर्याप्त वैज्ञानिक सहायता प्रदान कर रही हैं।

DFSS एक नज़र में

कर्तव्य चार्टर:

- अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित करना और नई तकनीकों का विकास करना।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक संस्थानों के साथ संबंध स्थापित करना।
- गुणवत्ता नियंत्रण और गुणवत्ता आश्वासन को बढ़ावा देना और योजना और नीतियां तैयार करना।
- राष्ट्रीय डेटाबेस विकसित करना और केंद्र और राज्य सरकार को फोरेंसिक मामलों में सहायता और सलाह देना।

सीएफएसएल द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं:

- ऑडियो/वीडियो प्रमाणीकरण और वक्ता पहचान,
- बैलिस्टिक्स, भौतिकी,
- रसायन विज्ञान, विस्फोटक, मादक पदार्थ, विष विज्ञान,
- जीव विज्ञान और डीएनए प्रोफाइलिंग,
- डिजिटल/साइबर फोरेंसिक्स
- मनोविज्ञान,
- विवादित दस्तावेज।

अधिग्रहित उन्नत तकनीक:

- बुलेटप्रूफ सामग्री परीक्षण,
- खोपड़ी सुपरइम्पोजिशन,
- क्षतिग्रस्त मीडिया और सीसीटीवी विश्लेषण,
- सभी सीएफएसएल में प्रमुख उपकरण खरीदे और स्थापित किए गए

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:

- सेशल्स, वियतनाम और मालदीव के लिए परिप्रेक्ष्य योजनाएं तैयार और कार्यान्वित की गईं,
- एससीओ के विशेषज्ञ समूह के सदस्य,
- नेपाल, भूटान और मालदीव के मामलों को संभाला।

उपलब्धियां

- पुणे, भोपाल, गुवाहाटी और कोलकाता में चार नए सीएफएसएल परिसरों की स्थापना।
- सीएफएसएल चंडीगढ़ में अत्याधुनिक डीएनए प्रयोगशाला की स्थापना।
- हैदराबाद में राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक लैब (ई) की स्थापना।
- ई-फोरेंसिक के लिए इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (ICJS) का कार्यान्वयन।
- स्वदेशी उपकरण और तकनीक का विकास:
  - स्वचालित भाषा और टेक्स्ट स्वतंत्र स्पीकर पहचान (LISIS, SPID)।
  - क्षतिग्रस्त मीडिया विश्लेषण तकनीक पर पेटेंट प्राप्त किया गया।
  - रासायनिक विश्लेषण के लिए रोटेटिंग पेपर डिस्क (RPD) तकनीक पर पेटेंट प्राप्त किया गया।
  - स्वदेशी यौन उत्पीड़न साक्ष्य संग्रह किट (SAECK) का विकास किया गया।
- उभरते हुए फोरेंसिक विज्ञान क्षेत्र में स्वदेशी तकनीकों को विकसित करने के लिए IIT और S&T संस्थानों को 11 एक्स्ट्रा मुरल रिसर्च प्रोजेक्ट प्रदान किए गए।
- सभी सीएफएसएल में फोरेंसिक मनोविज्ञान, स्पीकर पहचान, नारकोटिक्स, डीएनए और डिजिटल फोरेंसिक विश्लेषण सुविधाओं की स्थापना की गई।
- सीएफएसएल के वैज्ञानिकों ने अंतर्राष्ट्रीय दक्षता परीक्षण (PT) कार्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया।
- सभी हितधारकों को मानक संचालन प्रक्रियाएं (SOP), गुणवत्ता नियमावली, अपराध स्थल मैनुअल और उपकरणों की मानक सूची तैयार और प्रसारित की गई।
- DFSS ने SFSL को मजबूत करने और आधुनिक बनाने के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, वैज्ञानिकों को प्रशिक्षण देने और NIRBHAYA और SMFC योजनाओं के तहत धन आवंटित करने जैसी विभिन्न पहल की।

भविष्य की योजनाएं

- विभिन्न फोरेंसिक सूचकांकों में राष्ट्रीय फोरेंसिक डेटा केंद्र की स्थापना करना।
- छह नए राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक प्रयोगशालाओं की स्थापना करना।
- भविष्य की आवश्यकताओं (नए आपराधिक कानूनों के पूर्वावलोकन में) को पूरा करने के लिए आठ नए अत्याधुनिक सीएफएसएल की स्थापना करना।
- **अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता:**
  - ड्रोन फोरेंसिक्स, वन्यजीव फोरेंसिक्स, फोरेंसिक इंजीनियरिंग और फोरेंसिक इंटेलिजेंस जैसे उभरते क्षेत्रों में विशेष विभाग स्थापित करके फोरेंसिक जांच में क्रांतिकारी परिवर्तन लाना।
  - सीएफएसएल/एसएफएसएल के कर्मियों की तकनीकी विशेषज्ञता और विश्लेषणात्मक क्षमताओं का आकलन करने के लिए एक व्यापक दक्षता परीक्षण कार्यक्रम स्थापित करना।
- **संस्थागत सुदृढ़ीकरण:**
  - DFSS मुख्यालय का विस्तार और सुदृढ़ीकरण।
  - फोरेंसिक वैज्ञानिकों और आपराधिक न्याय प्रणाली के अन्य हितधारकों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए एक नवीन ई-लर्निंग कार्यक्रम का शुभारंभ करना।

ब्लॉक नंबर 9, 8वीं मंजिल, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003, टेलीफोन नंबर 24365835, फैक्स नंबर 24362819,
अधिक जानकारी के लिए www.dfs.nic.in पर जाएं।